बच्चों के लिए बाइबिल

प्रस्तुति

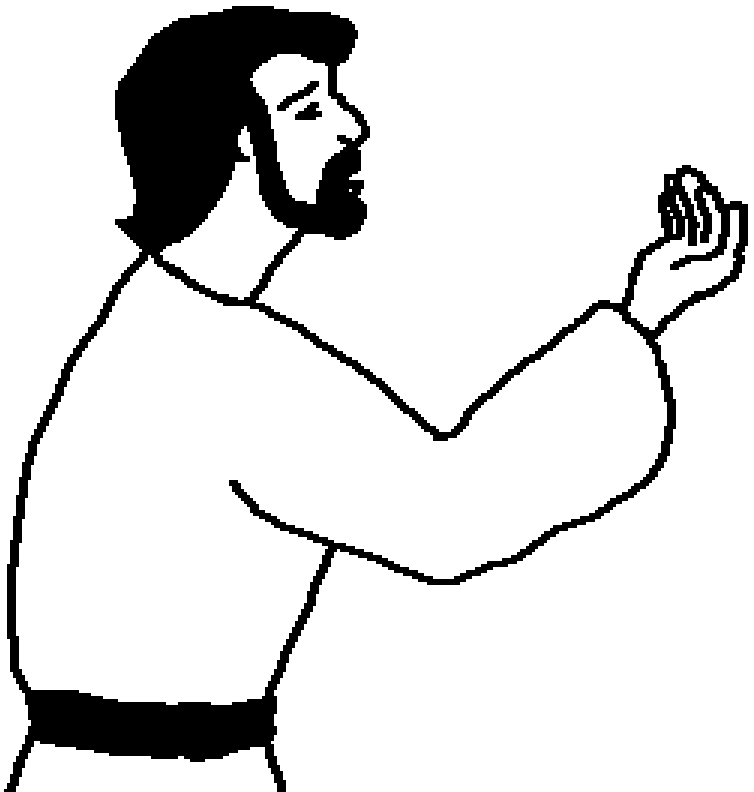

यीशु बारह सहायकों को चुनता है

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Byron Unger; Lazarus
रूपान्तरकार: E. Frischbutter; Sarah S.
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
प्रस्तुतकर्त्ता: Bible for Children
www.M1914.org

BFC
PO Box 3
Winnipeg, MB R3C 2G1
Canada

©2015 Bible for Children, Inc.
अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

यीशु बहुत सारे अद्भुत कार्य किया। उन्होंने कहा, रोगों की चंगाइ दी, परेशान लोगों के दिल और दिमाग में शांति दी, और उनको परमेश्वर के वचन को सिखाया।

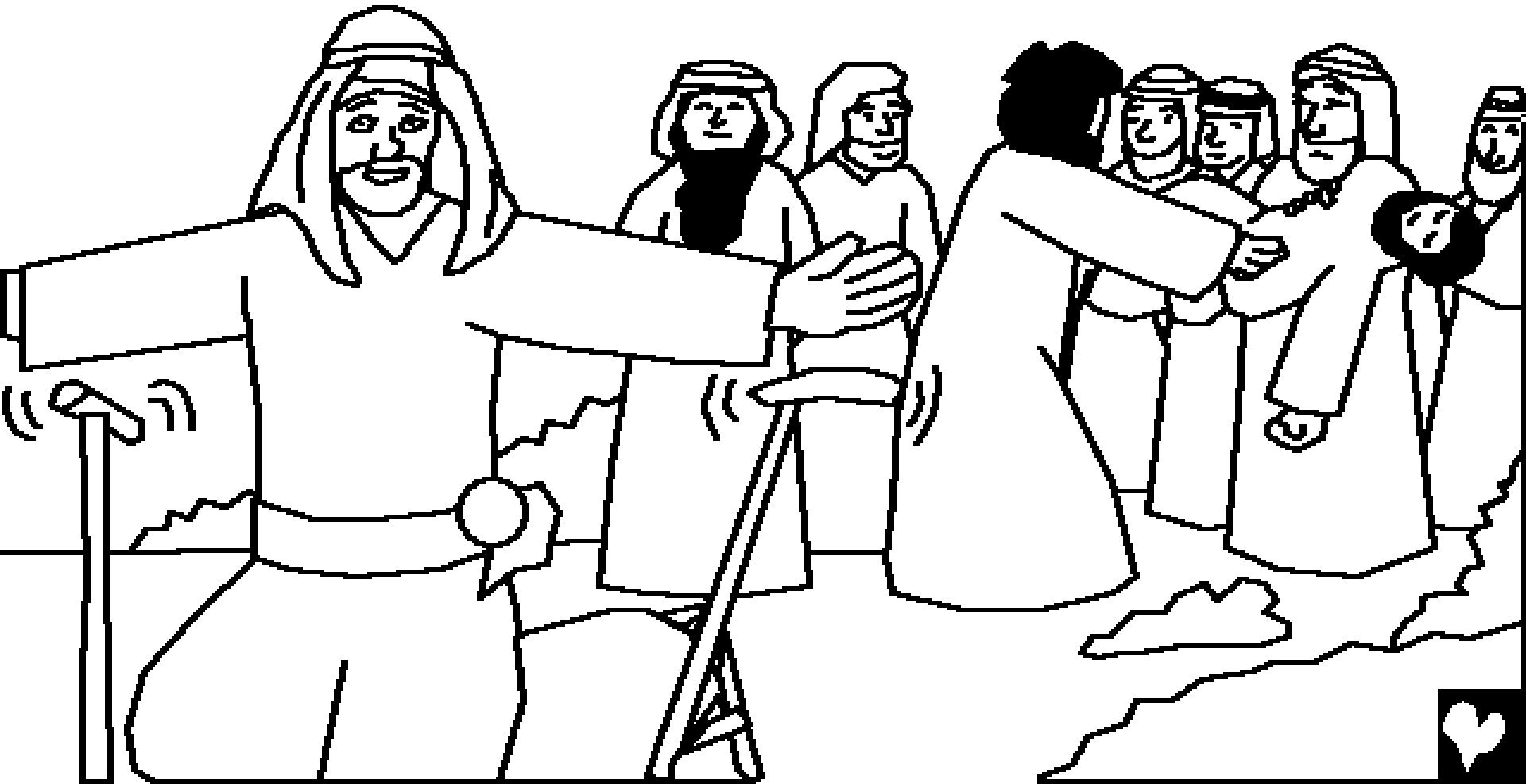

भीड़ की भीड़ सहायता और चंगाई के लिए यीशु के पास आया करती थी। उन्होंने, उनके कई अनुयायियों में से बारह पुरुषों को चुनने का फैसला किया कि वे परमेश्वर के काम में उसकी मदद करें।

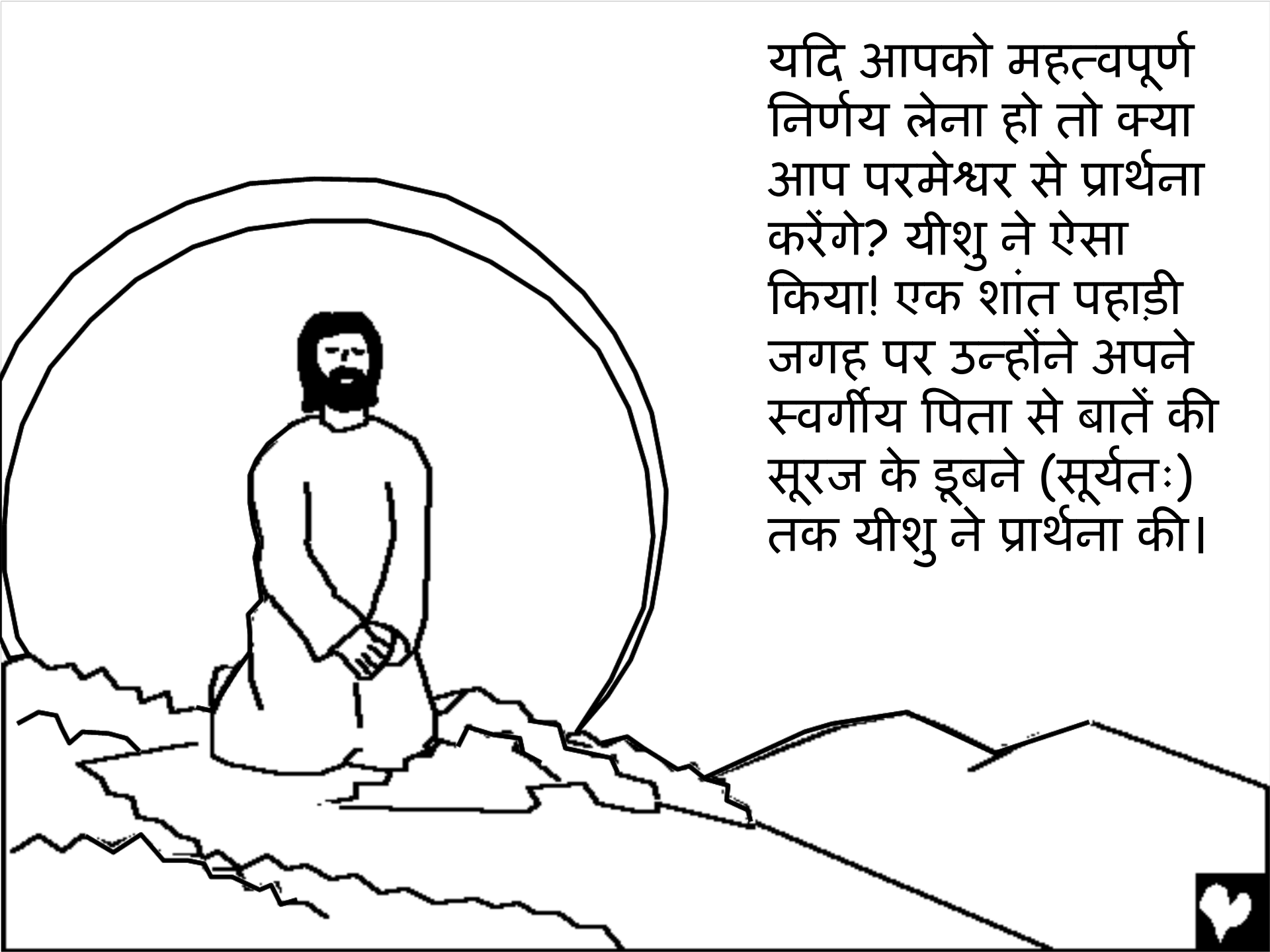
यदि आपको महत्वपूर्ण निर्णय लेना हो तो क्या आप परमेश्वर से प्रार्थना करेंगे? यीशु ने ऐसा किया! एक शांत पहाड़ी जगह पर उन्होंने अपने स्वर्गीय पिता से बातें की सूरज के डूबने (सूर्यतः) तक यीशु ने प्रार्थना की।

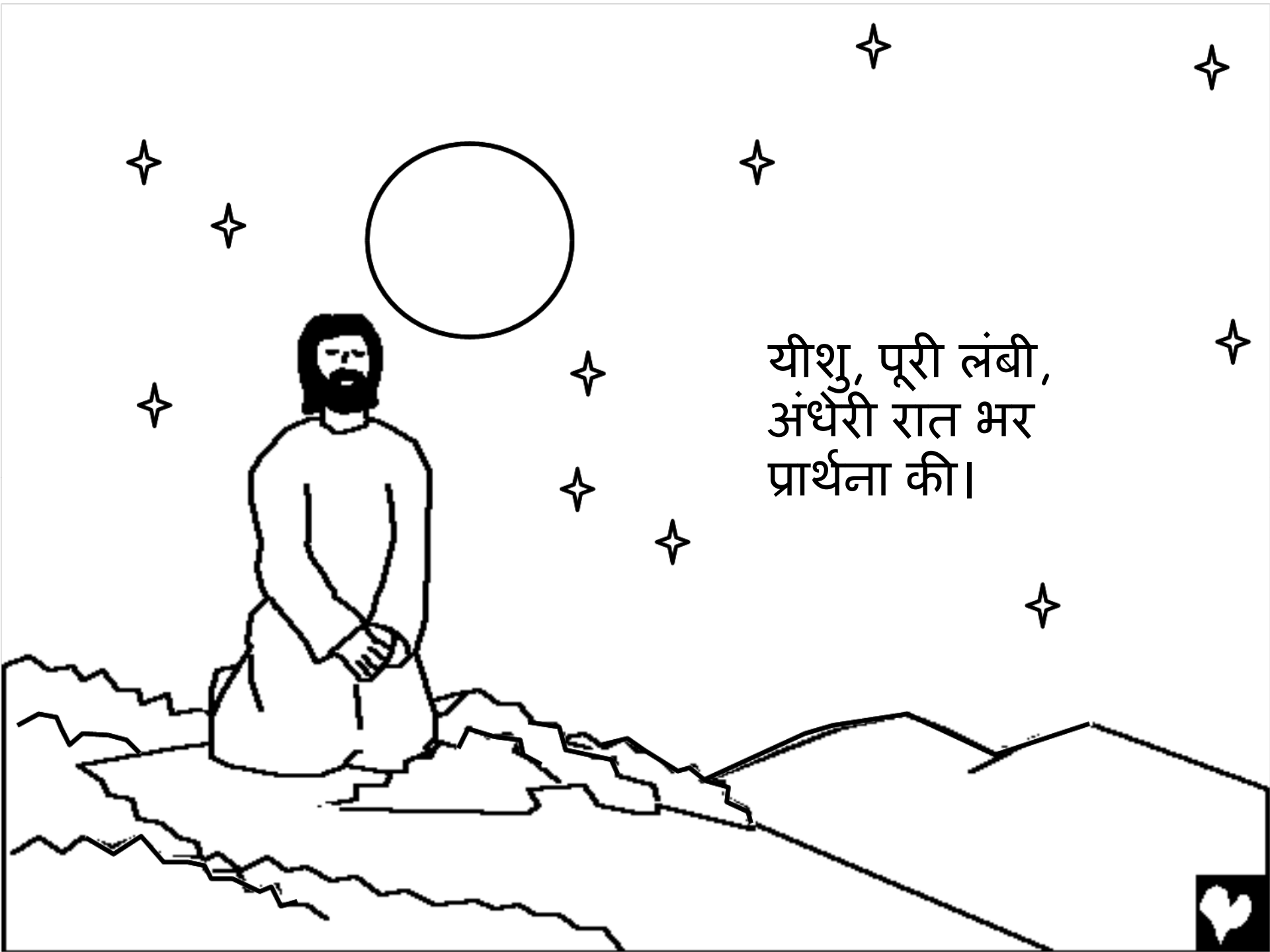
यीशु, पूरी लंबी,
अंधेरी रात भर
प्रार्थना की।

सुबह में, यीशु ने अपने सभी अनुयायियों को बुलाया - वे सभी दोस्त जो उसकी सेवा करते और बात मानते थे। उनमें से वह बारहो को विशेष सहायक, या प्रेरित होने के लिए चुना।

यीशु जिनको चुना उनमे से पहले दो, शमौन पतरस और अन्द्रियास भाई थे। जब यीशु ने पहले उनको अपने पीछे हो लेने (अनुसरण) करने को कहा वे अपने मछली पकड़ने के व्यवसाय को छोड़ दिए।

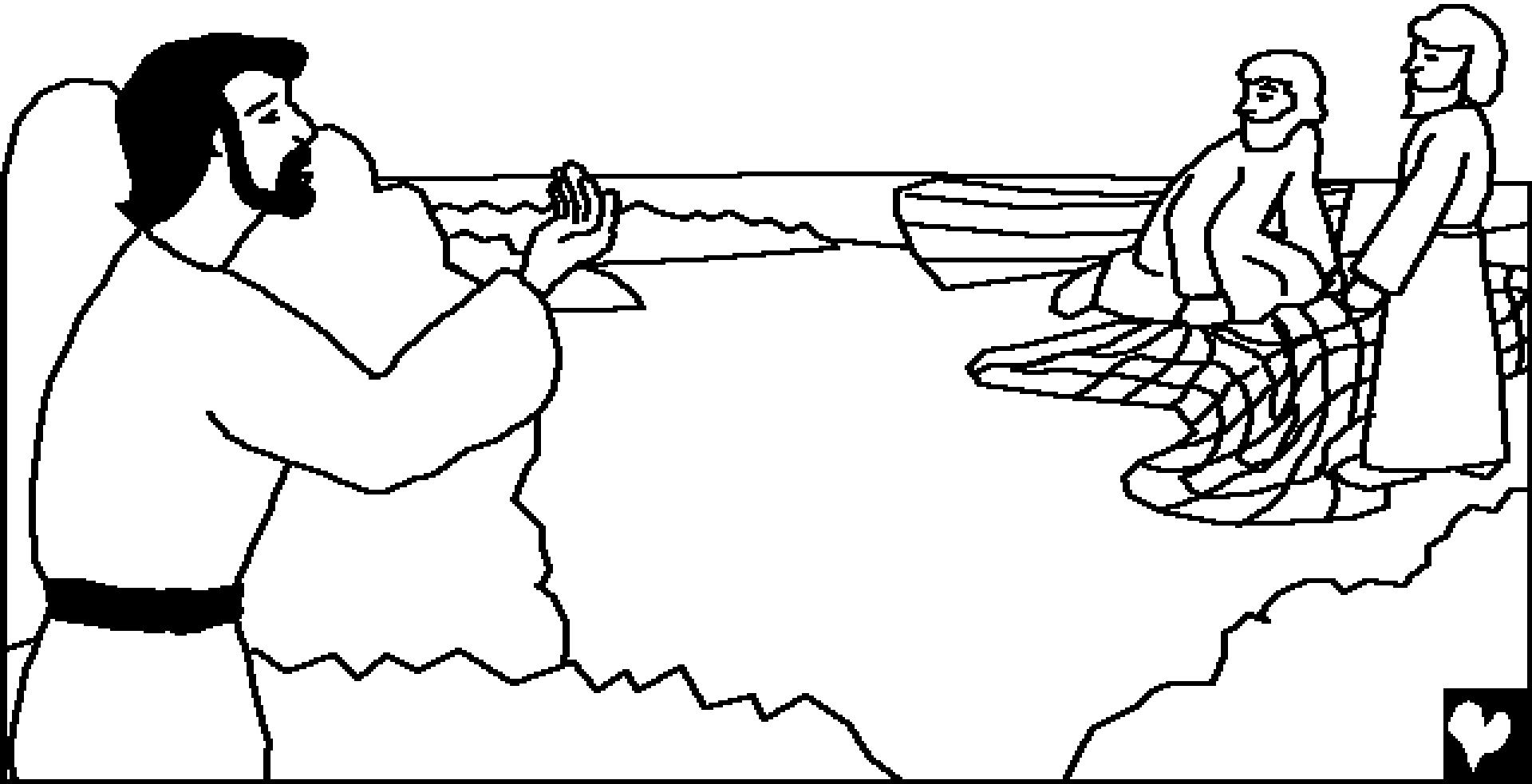

याकूब और यूहन्ना, जब्दी के पुत्र भी, उनके मछली पकड़ने की जाल छोड़ दिये।

यीशु ने फिलेप्पुस और बरतुलमै,
और मत्ती और थोमा और हलफई का
पुत्र याकूब और शमौन जो जेलोतेस
कहलाता है। और याकूब का बेटा
यहूदा और यहूदा इसकिरयोती, जो
उसका पकड़वाने वाला
बना, को भी चुना।

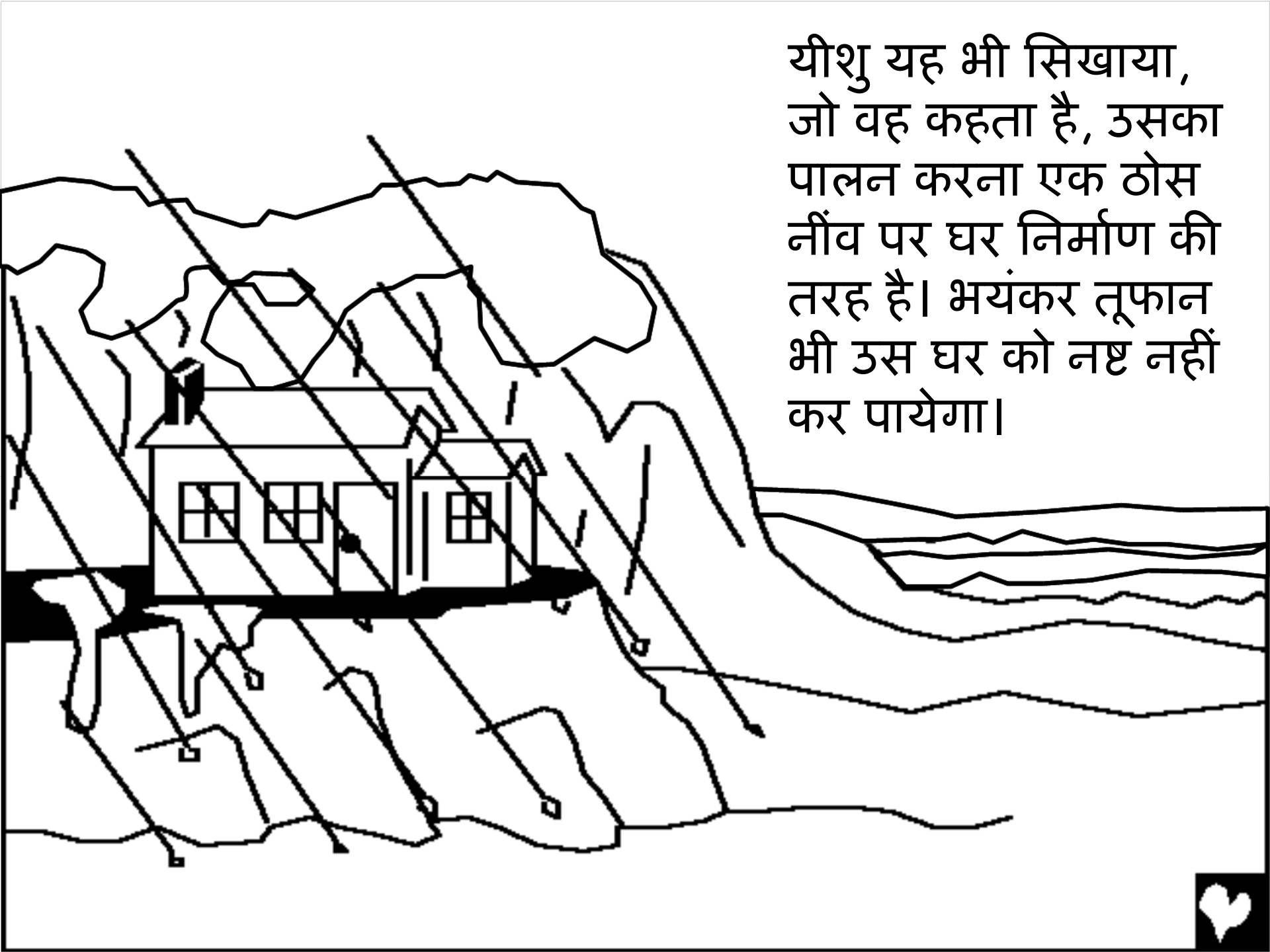

यीशु यह भी सिखाया, जो वह कहता है, उसका पालन करना एक ठोस नींव पर घर निर्माण की तरह है। भयंकर तूफान भी उस घर को नष्ट नहीं कर पायेगा।

लेकिन, 'यीशु के वचन का पालन न करना एक रेतीले नींव पर घर के निर्माण की तरह है। जब तूफान आएगा, वह घर गिर जाएगा।

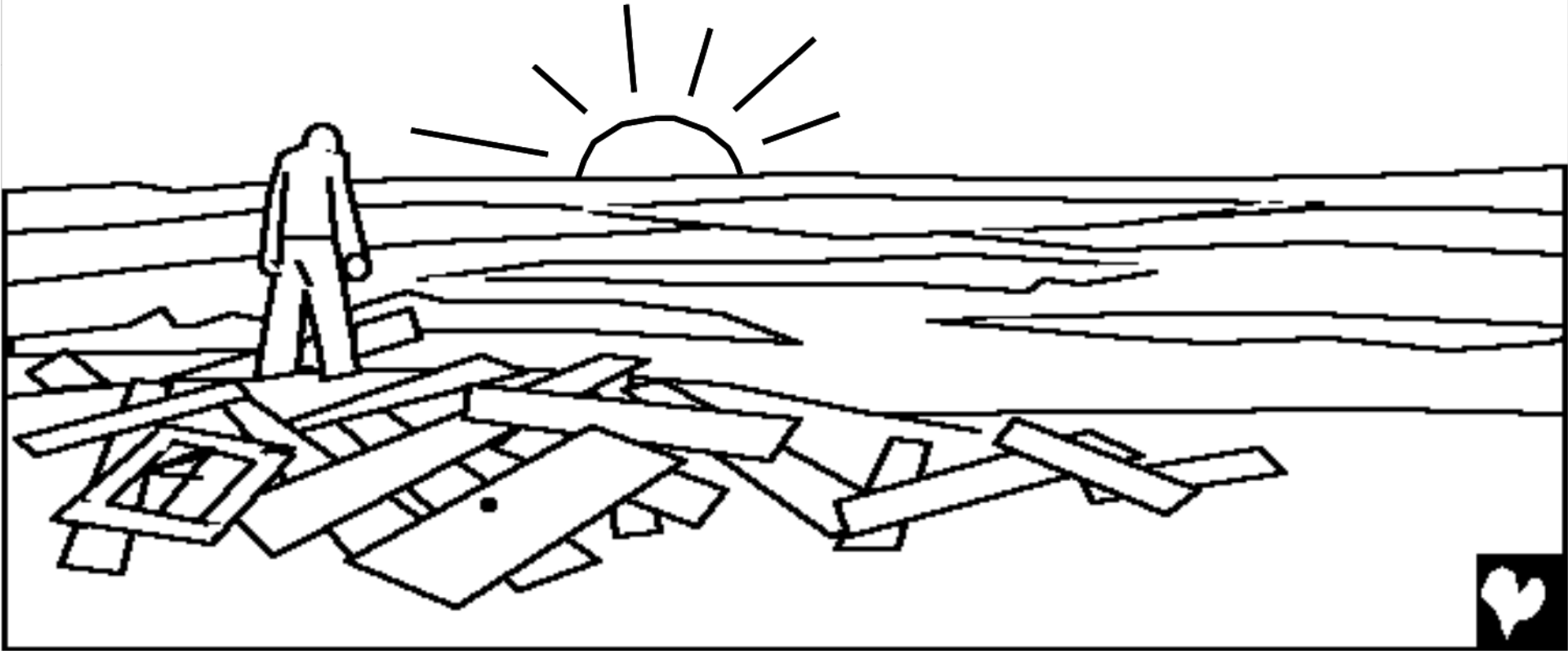

'यीशु के कुछ आदेश आसान नहीं थे। वह सिखाया, "यदि कोइ आपके दाहिने गाल पर थप्पड़ मारे, तो तुम अपना बाया गाल भी दे देना। अपने दुश्मनों को भी प्यार करो।" लोगो को यीशु की तरह जीने के लिए परमेश्वर की मदद की जरूरत है।

यीशु ने लोगों को
गुप्त में प्रार्थना करने के
लिए सिखाया - जैसे कुछ
धार्मिक नेताए करते है, वैसा
लोगों के सामने प्रार्थना
दिखाने के लिए न करो।

यीशु ने कहा कि परमेश्वर पर जो
विश्वास लाते है उन्हें वह खाना
और कपड़ा भी प्रदान करता है।
परमेश्वर जब पक्षियों को भोजन देता
है, झाड़ियों तथा फूलों को सुंदर रंग देता
है तो, लोग भी अपनी सभी जरूरतों के लिए
उस पर विश्वास कर
सकते हैं।

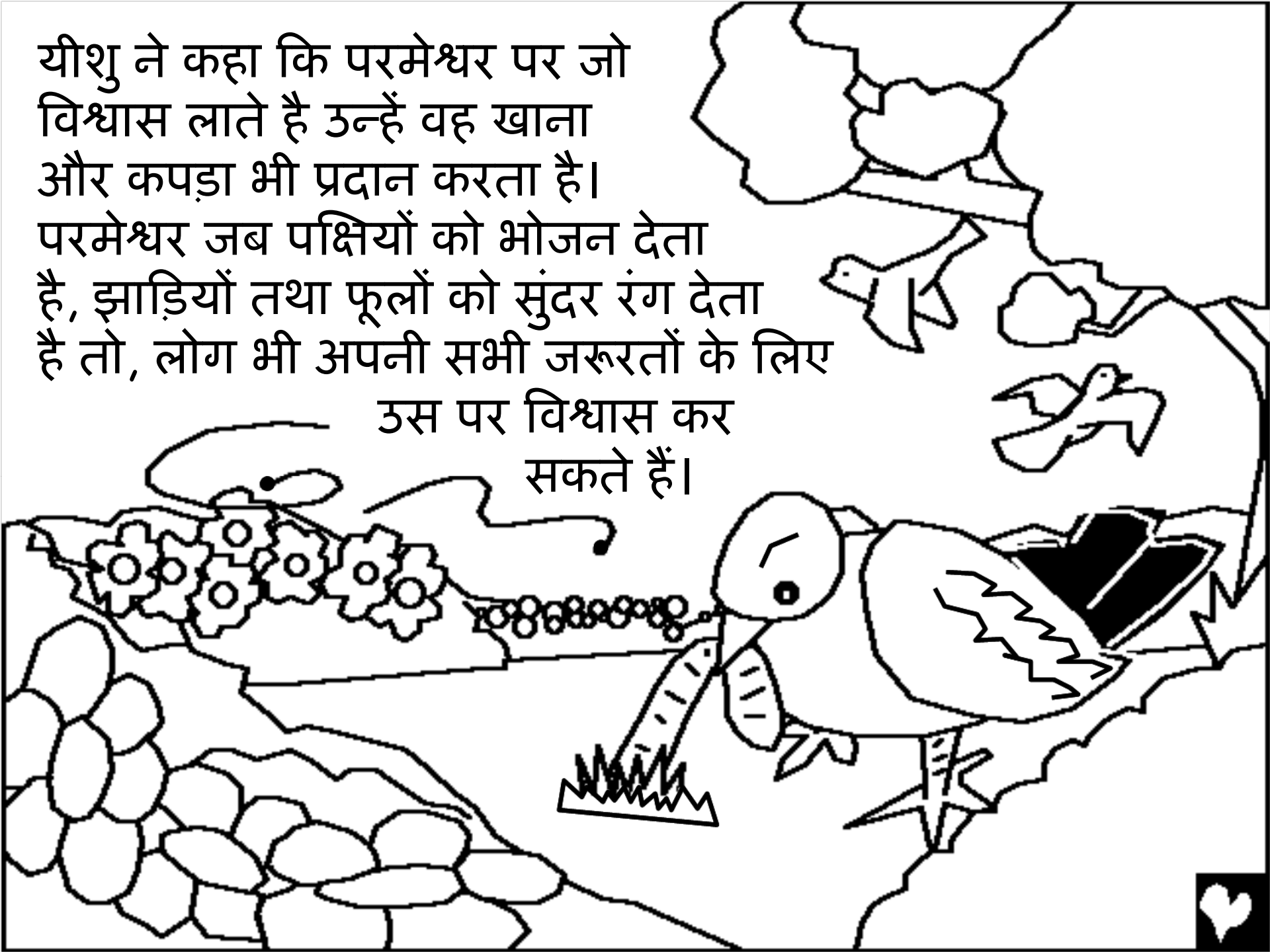

उस दिन यीशु, उनके नए चुने सहायकों को बहुत कुछ सिखाया। उसका सीखाना जैसे ही समाप्त हुआ, एक कोढ़ी चंगा होने के लिए भीख मंगते हुवे यीशु के पास आया।

यीशु ने कहा, "मै चाहता हूँ, तु शुद्ध हो जा।" सहायकों के देखते देखते ही, कोढ़ी पूरी रीति से चंगा हो गया। वह चंगा हो गया! केवल परमेश्वर का बेटा ही ऐसा कर सकता है। सहायकों को पता था कि उनके साथ एक अद्भुत गुरु है।

यीशु बारह सहायकों को चुनता है

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

मत्ती 4-7, मरकुस 1, लूका 6

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

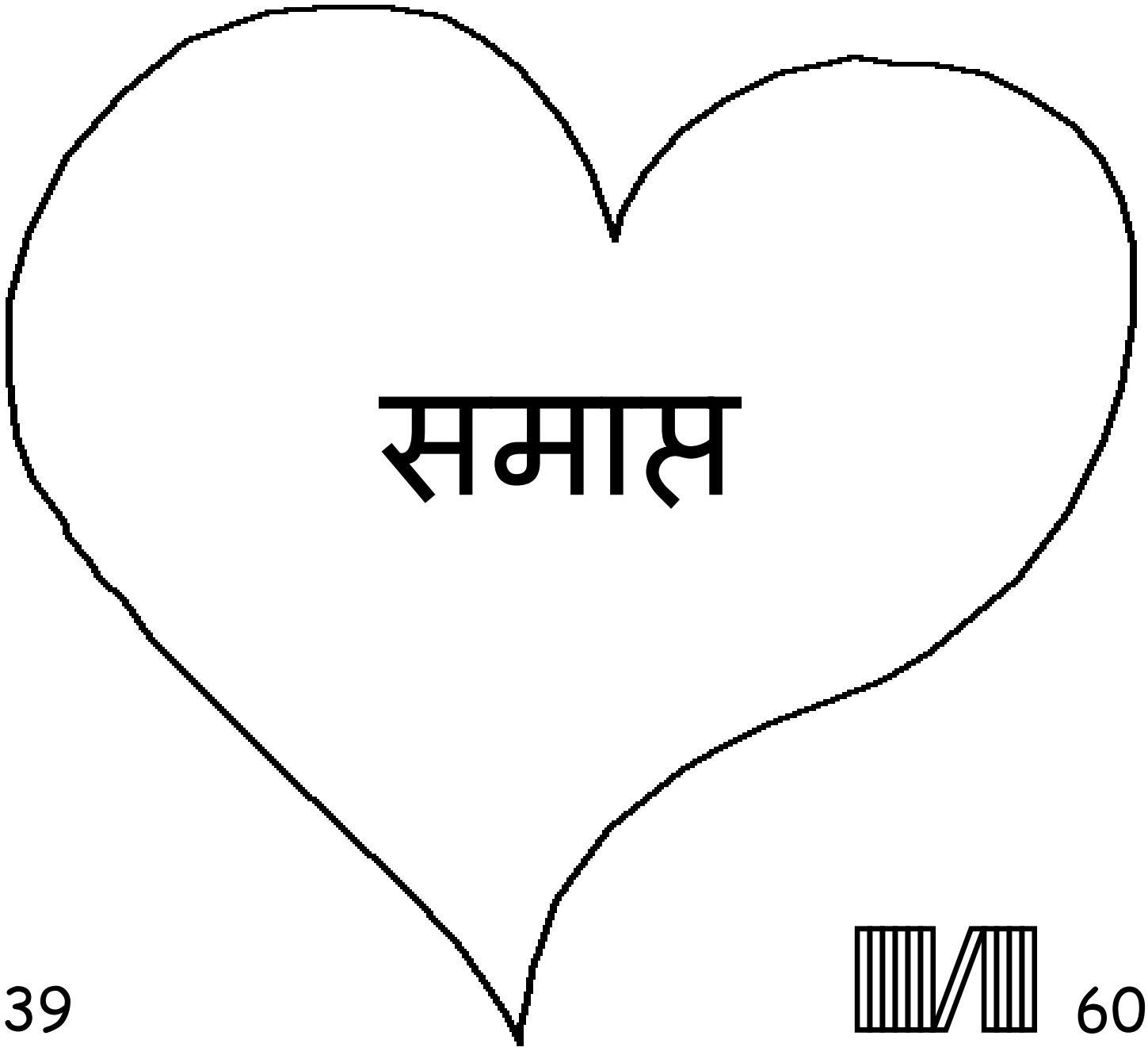
समाप्त

बाइबल की यह कहानी हमें अपने उस अद्भुत परमेश्वर के बारे में बतलाती है जिसने हमें बनाया और जो चाहता है कि आप उसे जानें।

परमेश्वर जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप मानता है। पाप की सज़ा मौत है किंतु परमेश्वर आपसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने एकमात्र पुत्र यीशु को इस दुनिया में भेजा ताकि वह सूली (क्रॉस) पर चढ़कर आपके पापों की सजा भुगते। यीशु मरने के बाद पुन: जीवित हुआ और स्वर्ग में अपने घर चला गया। यदि आप यीशु में विश्वास करते है और उससे अपने पापों की क्षमा मांगते हैं तो वह अपकी प्रार्थना सुनेगा। वह अभी आकर आपके अंदर बसेगा और आप हमेशा ही उसके साथ बने रहेंगे।

यदि आपको विश्वास है कि यह सब कुछ सच है, तो परमेश्वर से कहें: प्रिय यीशु, मुझे विश्वास है कि तू ही परमेश्वर है और मनुष्य के रूप में अवतरित हुआ ताकि मेरे पापों की वजह से। मौत की सजा भुगत सके और अब तू पुन: जीवित हुआ है। कृपया मेरी ज़िंदगी में आकर मेरे पापों को क्षमा कर, ताकि मुझे एक नया जीवन मिले और एक दिन में हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ हो लूं। हे यीशु, मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी हर आज्ञा का पालन कर सकूं और तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं। आमीन।

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर से बात करें! जॉन 3:16